भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1919

04 अगस्त, 2021 को उत्तर के लिए

इस्पात का उत्पादन

1919. श्री के.जे. एल्फोंस:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या महामारी ने इस्पात के उत्पादन को प्रभावित किया है;

(ख) गत एक वर्ष के दौरान इस्पात की कीमतों में वृद्धि के क्या कारण हैं; और

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान इस्पात संबंधी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को कितना लाभ हुआ है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री राम चन्द्र प्रसाद सिंह)**

(क): भारत में वर्ष 2019-20, 2020-21 की अवधि के दौरान तथा अप्रैल-जून, 2021 (अनंतिम) की अवधि के दौरान क्रूड इस्पात के उत्पादन का ब्यौरा विगत दो वर्षों की समान अवधि के उत्पादन के ब्यौरे के साथ निम्नलिखित है:

(मिलियन टन में)

वर्ष	**क्रूड इस्पात उत्पादन**
2019-20	109.14
2020-21	103.54
अप्रैल-जून की अवधि के दौरान उत्पादन	
अप्रैल-जून 2019	27.88
अप्रैल-जून 2020	17.26
अप्रैल-जून 2021*	27.80

* अनंतिम

(ख): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है, जहाँ कीमतें माँग और आपूर्ति, वैश्विक बाजार की स्थितियों, कच्चे माल की कीमतों में रुझान, लॉजिस्टिक लागत, ऊर्जा और ईंधन लागत आदि पर निर्भर करती है।

पिछले एक वर्ष से इस्पात की कीमतों के वृद्धि में योगदान देने वाले कारकों में कोविड-19 लॉकडाउन के कारण माँग-आपूर्ति में असंतुलन, आपूर्ति श्रृंखला, लॉजिस्टिक्स, मानव संसाधन, कच्चे माल और कार्यशील पूँजी आदि की उपलब्धता में व्यवधान, लौह अयस्क और इस्पात की कम उपलब्धता के कारण लौह अयस्क और इस्पात की कीमतों में वैश्विक वृद्धि और मार्च, 2020 में नीलामी के बाद ओडिशा की कार्यशील खानों का प्रचालन न होने के कारण लौह अयस्क की घरेलू उपलब्धता में कमी शामिल है।

(ग): विगत तीन वर्षों के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात उपक्रमों का लाभ निम्नानुसार है:

(कर-पश्चात लाभ करोड़ रुपये में)

	2018-19	**2019-20**	**2020-21***
स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल)	2179	2022	3850
राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)	96.71	(-)3910.17	(-)789.10

* अनंतिम

****